यूपी की अर्थव्यवस्था वन ट्रिलियन डॉलर होगी: योगी

ऐलान

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश को उन्नत प्रदेश बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने ऐतिहासिक पहल करते हुए दो प्रमुख कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। शुक्रवार को विश्व बैंक के सहयोग से उत्तर प्रदेश में यूपी-एग्रीस कार्यक्रम को लागू किया गया। इसके जरिए प्रदेश के पूर्वांचल व बुंदेलखंड क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक आधारित खेती को बढ़ावा मिलेगा। इससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी और 10 लाख किसानों को फायदा होगा। वहीं यूपी में 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों के लिए जल्द सीएम पोषण मिशन लॉन्च होगा।

इसी प्रकार, एक और बड़े प्रोजेक्ट 'एआई प्रज्ञा' का भी शुक्रवार को मुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के जरिए उत्तर प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के हब के तौर पर स्थापित करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के जरिए प्रदेश में 10 लाख युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पहलुओं में दक्ष बनाया जाएगा। इन दोनों कार्यक्रम को लॉन्च करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों ही कार्यक्रम प्रदेश के 'वन ट्रिलियन डॉलर' की इकॉनमी बनने का सपना साकार करेंगे। उन्होंने यूपी-एग्रीस प्रोजेक्ट में विश्व बैंक की सहभागिता का आभार जताते हुए कहा कि यूपी-एग्रीस के जरिए प्रदेश के कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में मदद मिलेगी जो किसानों की उन्नति का कारण बनेगा।

सदैव किया सहयोगः मुख्यमंत्री आवास पर विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा संग मुलाकात के बाद दोनों प्रोजेक्ट्स को लॉन्च करते हुए मुख्यमंत्री ने विश्व बैंक की तारीफ की और सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि चाहे पर्यावरण संरक्षण हो, प्रदेश में टूरिज्म को बढ़ावा देना हो या फिर अवस्थापना से जुड़ी परियोजनाओं का संचालन हो, विश्व बैंक हमेशा से महती भूमिका निभाता है। आज का दिन कई मायनों में महत्वपूर्ण है। 'एआई प्रज्ञा' से प्रदेश में 10 लाख लोगों की एआई ट्रेनिंग का फ्रेमवर्क तैयार होगा, एआई तकनीक में दक्ष वर्कफोर्स तैयार करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विश्व बैंक अध्यक्ष अजय बंगा की मौजूदगी में दो प्रमुख योजनाओं की शुरुआत की।

'यूपी एग्रीस प्रोजेक्ट'

यूपी एग्रीस योजना में 2737 करोड़ रुपये का ऋण विश्व बैंक द्वारा 6 वर्षों की अवधि के लिए उपलब्ध कराया है। यूपी एग्रीस परियोजना के लिए 2737 करोड़ विश्व बैंक लोन देगा जबकि 1166 करोड़ राज्य सरकार का अंश होगा। लोन वापसी की अवधि 35 वर्ष रखी गयी है।

'एआई प्रज्ञा'

'एआई प्रज्ञा' योजना के तहत 10 लाख युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे रोजगार और स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम के जरिए प्रारंभिक चरण में राज्य के 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षण मिलेगा।

इन जिलों को होगा लाभ

श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर, बस्ती, महराजगंज, संतकबीर नगर, कुशीनगर, मऊ, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, संत रविदास नगर, जौनपुर, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र मीरजापुर, जालौन, झांसी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, ललितपुर और चित्रकूट